18 भालू (कविता)

Learn

डमरू बजा-बजाकर कहता,
झूम-झूमकर नाचो भालू।
आजा-आजा यहाँ पर आजा,
अपना खेल करें हम चालू।
घूम-घूमकर नाच दिखाता,
नाम बुलाता कहता कालू।
ठुमक-ठुमक कर नाच रहा है,
कहते लोग वाह रे! भालू।
दर्शकगण सब पैसे देंगे,
खायेंगे भरपेट कचालू।

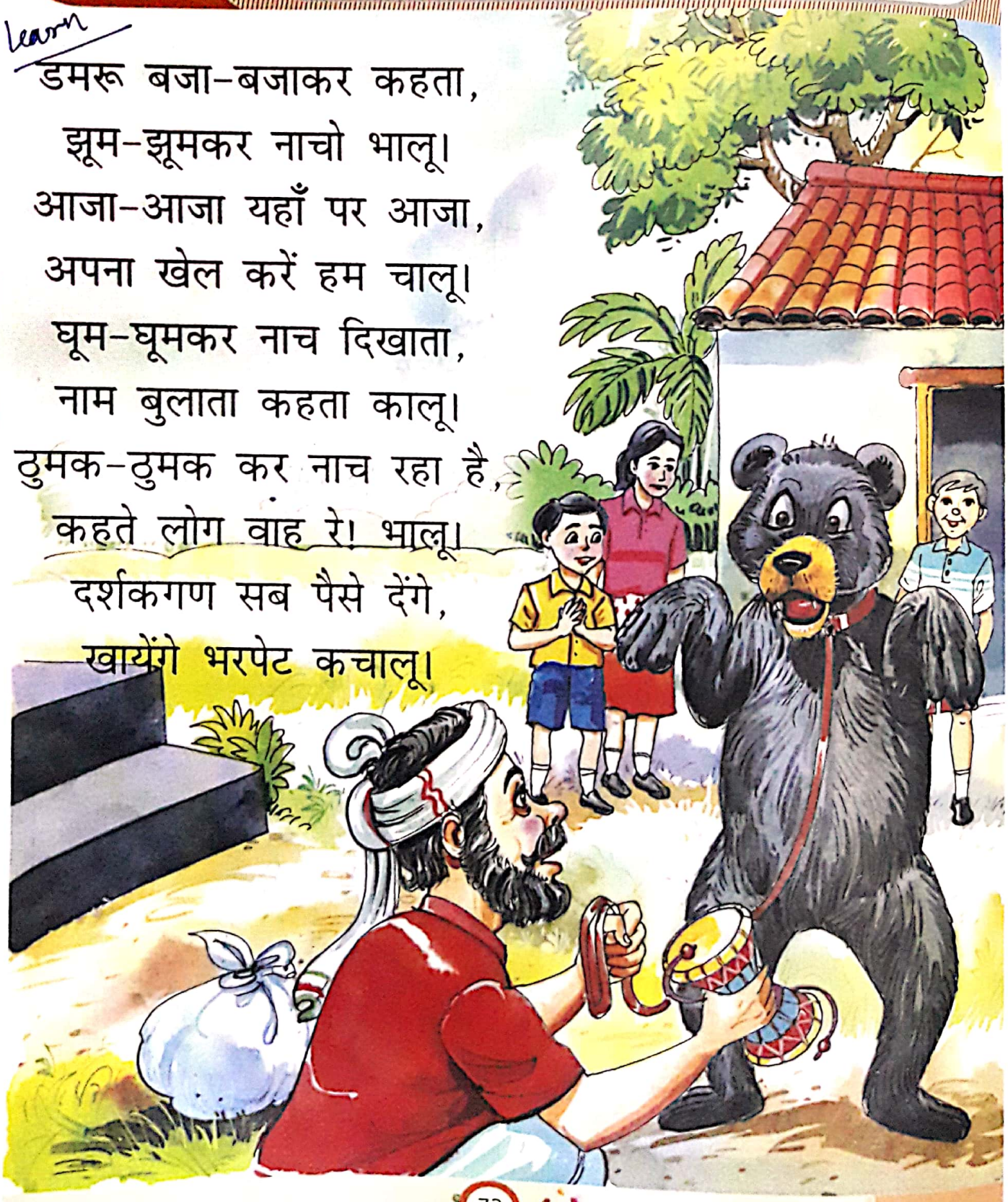

Scanned with CamScanner

3

अभ्यास

मौखिक-

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताइए-
   (क) मदारी डमरू बजाकर किसे नाचने को कहता है?
   (ख) मदारी भालू को किस नाम से बुलाता है?
   (ग) भालू अपना नाच कैसे दिखाता है?
   (घ) मदारी कौन-सा खेल चालू करने के लिए कहता है?
   (ङ) खेल दिखाने के बाद मदारी क्या खायेगा?

लिखित-

2. रिक्त स्थानों को कविता की पंक्तियों से पूरा कीजिए-
H.W
   (क) डमरू बजा-बजाकर कहता
   .... नाच दिखाता।

   (ख) झूम-झूमकर नाचो भालू,
   नाम बुलाता .... ।

   (ग) अब करें अपना .... ।
   तब खायेंगे .... ।

3. कविता में से मिलते-जुलते शब्द लिखिए-
   जैसे- झूम - घूम
   (क) भालू - कालू
   (ख) चालू - कचालू

Class V L·Hindi ①
Ch- 18

मौखिक -

क→ मदारी डमरू बजाकर भालू को नाचने को कहता है।

ख→ मदारी भालू को कालू कहकर बुलाता है।

ग→ भालू घूम-घूमकर नाच दिखाता है।

घ→ मदारी डमरू बजाकर भालू को झूम-झूमकर नाचने को कहता है।

ङ→ खेल दिखाने के बाद मदारी कचालू खायेगा।

Scanned with CamScanner